



# नीति से समृद्धि तक: जीसीसी, भारत की विकास यात्रा में अग्रणी

11 दिसंबर, 2025

## परिचय

जैसे-जैसे टैलेंट टेक्नोलॉजी से मिलता है, भारत में 1,700 से ज्यादा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) के साथ एंटरप्राइज सॉल्यूशंस के लिए एक नया भविष्य बन रहा है। ये बड़ी कंपनियों की रीढ़ हैं, और इन्होंने बहुत लंबा सफर तय किया है। जो पहले एक बेसिक सपोर्ट डेस्क के तौर पर शुरू हुआ था, वह अब एक इनोवेशन पावरहाउस बन गया है और रिसर्च, डिज़ाइन और डेवलपमेंट को आगे बढ़ा रहा है। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) ऑफशोर यूनिट्स हैं जिन्हें कंपनियाँ अपने पेरेंट ऑर्गनाइजेशन्स के लिए कई तरह की सर्विसेज़ देने के लिए बनाती हैं। ग्लोबल कॉर्पोरेट स्ट्रक्चर के ज़रूरी हिस्सों के तौर पर काम करते हुए, वेफ़ार्मेंशन टेक्नोलॉजी, रिसर्च और डेवलपमेंट, कस्टमर सपोर्ट और दूसरे बिज़नेस ऑपरेशन्स जैसे एरिया में खास एक्सपर्टीज़ देते हैं।



कॉस्ट एफिशिएंसी पाने, स्किल्ड टैलेंट पूल का इस्तेमाल करने, और पेरेंट फर्म और उनके इंटरनेशनल एफिलिएट के बीच कोलेबोरेशन को बढ़ावा देने में यह एक ज़रूरी भूमिका निभाता है।

व्यावसायिक प्रक्रियाओं, आईटी सेवाओं, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों, नवाचार केंद्रों, ग्राहक सेवा केंद्रों और अन्य प्रमुख कार्यों जैसे क्षेत्रों को संभालनेके लिए जीसीसी स्थापित किए हैं। ये जीसीसी तेजी से नवाचार और मूल्य सृजन के लिए रणनीतिक केंद्रों के रूप में विकसित हुए हैं। केवल पाँच वर्षों में, उनका संयुक्त राजस्व वित्त वर्ष 19 में \$40.4 बिलियन से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में \$64.6 बिलियन हो गया है, जो सालाना 9.8% की स्वस्थ गति से बढ़ रहा है। संख्या तक सीमित नहीं, ये जीसीसी

अब देश भर में 19 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देते हैं, जो यहीं भारत से तकनीक और व्यवसाय के अधिकार के आकार दे रहे हैं। ये केंद्र दुनिया भर में अपने मूल संगठनों के लिए नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और रणनीतिक संचालन को आगे बढ़ाते हैं। भारत सरकार ने प्रगतिशील नीतियों, बुनियादी ढांचे के विकास और स्टार्टअप समर्थन के माध्यम से इस पारिस्थितिकी तंत्र के पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

## भारत वैश्विक जीसीसी विस्तार के केंद्र में

भारत ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) का एक बड़ा केंद्र बन गया है, जिसके बड़े क्लस्टर बैंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई, मुंबई और नेशनल कैपिटल रीजन में हैं। इस सेक्टर के 2030 तक USD 105 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है, जिसे लगभग 2,400 सेंटर्स से सपोर्ट मिलेगा, जिनमें 2.8 मिलियन से ज्यादा प्रोफेशनल्स काम करते हैं।

- ❖ **विस्तार-** पिछले पांच सालों में 400 से ज्यादा नए GCC और 1,100 यूनिट्स जोड़ी गईं।
- ❖ **टेक्नोलॉजी-** GCCs भारत में इकोसिस्टम को सेंट्रलाइज कर रहे हैं, खासकर एयरोस्पेस, डिफेंस और सेमीकंडक्टर में।
- ❖ **R&D ग्रोथ-** इंजीनियरिंग रिसर्च GCCs, ओवरऑल GCC सेटअप के मुकाबले 1.3 गुना तेज़ी से बढ़ रहे हैं।
- ❖ **टैलेंट-** भारत ग्लोबल STEM वर्कफोर्स का 28% और ग्लोबल सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग टैलेंट का 23% योगदान देता है।
- ❖ **लीडरशिप-** 2030 तक ग्लोबल रोल्स 6,500 से बढ़कर 30,000 से ज्यादा होने की उम्मीद है।
- ❖ **इनोवेशन-** सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस के साथ AI और ML को अपनाना भारत के GCC लैंडस्केप को मज़बूत कर रहा है।

## सरकार के नेतृत्व वाला इकोसिस्टम: भारत में GCC विकास के लिए मददगार

GCCs के लिए ग्लोबल डेस्टिनेशन के तौर पर भारत का उभरना, इंफ्रास्ट्रक्चर, इनोवेशन, टैलेंट डेवलपमेंट और सपोर्टिव पॉलिसीज़ को ध्यान से बनाए गए अप्रोच का नतीजा है। सरकार की पहल ने एक मज़बूत नींव बनाई है जहाँ इंटरनेशनल कंपनियाँ कॉन्फिडेंस के साथ बढ़ सकती हैं, कोलेबोरेट कर सकती हैं और इनोवेट कर सकती हैं। स्टार्टअप्स को नर्चर करने से लेकर डिजिटली स्किल्ड वर्कफोर्स बनाने तक, GCCs के आगे बढ़ने और बड़े बदलाव लाने के लिए माहौल अच्छी तरह से तैयार है।

# GCC GROWTH ENABLERS IN INDIA



## बुनियादी ढांचा और क्लस्टर विकास

### संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (EMC 2.0)

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा शुरू की गई यह योजना इलेक्ट्रॉनिक्स और IT उद्योगों के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचेके निर्माण का समर्थन करती है।
- रेडी बिल्ट फैक्ट्री (RBF) शेड और प्लग-एंड-प्ले सुविधाएं देता है, जो GCCs के लिए बहुत अच्छी हैं, जो तेज़ी से डिप्लॉयमेंट और स्केलेबिलिटी चाहते हैं।
- ग्लोबल मैन्युफैक्चरर्स और उनकी सप्लाई चेन्स को भारत में ऑपरेशन्स शुरू करने के लिए बढ़ावा देता है।

## स्टार्टअप और नवाचार समर्थन

### जेनेसिस - इनोवेटिव स्टार्टअप्स के लिए जेन-नेक्स्ट सपोर्ट

- यह 490 करोड़ रुपये के बजट के साथ MeitY की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य

## टियर-II और टियर-III शहरों में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना है।

- इनोवेशन और टैलेंट डेवलपमेंट को तेज़ करके GCCs के लिए एक फीडर इकोसिस्टम बनाने में मदद करता है।
- को-क्रिएशन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए स्टार्टअप्स और GCCs के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है।

## नीति और पारिस्थितिकी तंत्र सक्षमता

### स्टार्टअप इंडिया और DPIIT मान्यता

- भारत अब दुनिया भर मेंतीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1.97 लाख से ज्यादा DPIIT-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं।
- लेटेस्ट सॉल्यूशन, AI/ML कैपेबिलिटी और डिजिटल सर्विस देकर GCC इकोसिस्टम में योगदान देते हैं।
- GCCs के आगे बढ़ने के लिए बिज़नेस-फ्रेंडली माहौल बनाया है।

## प्रतिभा और डिजिटल कौशल

- स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया और फ्यूचर स्किल्स प्राइम (MeitY और NASSCOM द्वारा) जैसी पहल भारत के कर्मचारियों को अगली पीढ़ी के डिजिटल कौशल से लैस कर रही हैं।
- ये प्रोग्राम साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स और AI जैसे एशिया में GCCs के लिए स्किल्ड प्रोफेशनल्स की एक रेगुलर पाइपलाइन पक्का करते हैं।

## व्यापार करने में आसानी और नियामक समर्थन

- ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस रैंकिंग में भारत के लगातार सुधार और आसान FDI पॉलिसी के कारण, ग्लोबल कंपनियों के लिए GCC बनाना और उन्हें बढ़ाना आसान हो गया है।
- SEZ सुधार, टैक्स में छूट, और सिंगल-विंडो किलयरेंस से कामकाज और आसान हो गया है।

फाइनेंस मिनिस्ट्री के इकोनॉमिक सर्वे 2024-25 में बताया गया है कि भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) अपने ट्रेडिशनल बैक-ऑफिस रोल से आगे बढ़कर इंजीनियरिंग R&D, खासकर एयरोस्पेस, डिफेंस, सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग के लिए स्ट्रेटेजिक हब बन गए हैं। GCC, सर्विस सेक्टर में ग्रोथ और इनोवेशन को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसे भारत के स्किल्ड वर्कफोर्स, ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस रिफॉर्म्स और लिबरलाइज़ड FDI पॉलिसीज़ का सपोर्ट मिला है। यह बदलाव भारत को डिजिटल और इंजीनियरिंग इनोवेशन में ग्लोबल लीडर बनाता है, साथ ही हाई-टेक इंडस्ट्रीज़ में इसकी सेल्फ-रिलाएंस को मज़बूत करता है।

## निष्कर्ष:

इनोवेशन, टैलेंट और आगे की सोच वाली पॉलिसी से चलने वाले एक बढ़ते इकोसिस्टम के साथ, भारत ग्लोबल क्षमताओं के लिए एक लॉन्चपैड बन गया है। जैसे-जैसे GCC सपोर्ट इंजन से स्ट्रेटेजिक नई सेंटर बनते जा रहे हैं, देश एंटरप्राइज के भविष्य को आकार देने के लिए तैयार हैं। मोमेंटम मजबूत है, फाउंडेशन तैयार है, और दुनिया भारत को लीड करते हुए देख रही है। सर्विस से स्ट्रेटेजी तक का सफर सिर्फ चल ही नहीं रहा है, बल्कि यह तेज हो रहा है।

## संदर्भ:

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MEITY):

<https://www.meity.gov.in/offering/schemes-and-services/details/modified-electronics-manufacturing-clusters-emc-2-0-scheme-wNyEDOTQWa>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1767604>

[https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/185/AU2873\\_BLv260.pdf?source=pgals](https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/185/AU2873_BLv260.pdf?source=pgals)

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय:

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2135116#:~:text=वाणिज्य विभाग ने सुधारों को अब 50 हेक्टेयर से नीचे कर दिया है।>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1756966>

<https://www.pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=184513>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2098452>

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय:

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2100847>

आर्थिक सर्वेक्षण (2024-25):

<https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/doc/echapter.pdf>

इंडियन ब्रांड इन्विटी फाउंडेशन (IBEF):

<https://www.ibef.org/blogs/global-capability-centres-gccs-in-india>

पत्र सूचना कार्यालय रिसर्च